क्या मेरे पाप दूर हो सकते हैं?

भारत में बहुत से लोग कर्म के नियम के नीचे जीते हैं। हर काम लौटकर आपके पास आता है। भला करो, तो भला लौटता है। बुरा करो, तो बुरा लौटता है। और यह हिसाब एक जन्म से अगले जन्म तक चलता रहता है।

इस जीवन के लिए इसमें कुछ सच्चाई है। क्रूर आदमी अक्सर वही प्याला पीता है जो उसने खुद भरा था। बाइबल भी यही कहती है: “मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा।” (गलातियों 6:7)

लेकिन कर्म कभी क्षमा की बात नहीं करता। कर्म का हिसाब हमेशा खुला रहता है। कर्म पाप को समझा सकता है। पर उसे धो नहीं सकता।

तो बाइबल क्या कहती है? क्या मेरे पाप सचमुच दूर हो सकते हैं?

पहली बात, बाइबल हमारे बारे में सच बताती है: हम सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। (रोमियों 3:23)

दूसरी बात, बाइबल बताती है कि पाप की कीमत क्या है: पाप हमारी मृत्यु लाता है, अनन्त मृत्यु। (रोमियों 6:23)

परमेश्वर यह नहीं दिखाते कि पाप छोटी बात है। परमेश्वर दोष को ऐसे नहीं देख सकते मानो वह कुछ भी न हो (हबक्कूक 1:13)। लेकिन परमेश्वर आपको यह कर्ज़ उन हज़ारों जन्मों में चुकाने के लिए भी नहीं छोड़ते, जिन्हें आप याद तक नहीं कर सकते।

कपड़े पर लगे एक दाग के बारे में सोचिए। आप उसे धोते हैं, फिर धोते हैं, फिर धोते हैं। कुछ दाग कभी नहीं निकलते। कर्म ऐसी ही धुलाई है। वह न कभी साफ करती है, न कभी पूरी होती है।

लेकिन जो आपकी धुलाई नहीं कर सकती, वह परमेश्वर कर सकते हैं। वे क्षमा कर सकते हैं। हमेशा के लिए क्षमा।

कैसे? पाप को अनदेखा करके नहीं। बल्कि अपने पुत्र को भेजकर, ताकि वे पाप को उठा ले जाएँ:

> “वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया।” (1 पतरस 2:24)

यह कर्म का लौटकर आया हुआ वार नहीं है। यह वार की जगह मिला हुआ एक उपहार है। और बाइबल कहती है:

> “उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।” (1 यूहन्ना 1:7)

परमेश्वर पाप को अच्छा नहीं कहते। वे पाप को सही नहीं ठहराते। वे उस पापी को क्षमा करते हैं जो उनके बताए हुए मार्ग से उनके पास आता है।

Can My Sins Be Removed?

Many people live under the idea of karma where every deed comes back to you. Do good, and good returns. Do evil, and evil returns. And sometimes these deeds carry over from death to the next life.

There is some truth in this for this life. A cruel man often drinks the cup he poured. The Bible says it too: "Whatsoever a man plants, that shall he also harvest." (Galatians 6:7)

But karma, counting my good versus my sin, never speaks of forgiveness. Karma keeps the account open forever. It can explain sin. It cannot wash it.

So, what does the Bible say? Can my sins really be removed?

First, the Bible tells us the truth about ourselves: all of us have sinned and failed to live up to the glory of God. (Romans 3:23)

Second, it tells the truth about what sin costs: it causes our death, eternal death. (Romans 6:23)

God does not pretend that sin is small. God cannot treat guilt as if it were nothing (Isaiah 59:1-2). But God also does not leave you to pay that debt across a thousand lives you cannot even remember.

Think of a stain in a garment. You wash it, and wash it, and wash it. Some stains never come out. Karma is that kind of washing. It never cleanses or finishes.

But God can do what your washing cannot do. He can forgive. Forgive forever.

How? Not by ignoring sin. By sending His Son to carry it away:

1 Peter 2:24 speaks of Jesus "who his own self carried our sins in his own body on the tree."

That is not karma balancing good and bad. This is a gift from God to forgive the sin. And the Bible says:

> "The blood of Jesus Christ his Son cleanses us from all sin." (1 John 1:7)

God does not call the sin good. He does not justify the sin. He forgives the sinner who comes to Him in the way He has named.

उनका बताया हुआ वह मार्ग क्या है? यीशु! जिस पहले दिन सुसमाचार का प्रचार हुआ, उस दिन लोगों ने पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए। पतरस ने उनसे कहा:

> “मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।” (प्रेरितों के काम 2:38)

पौलुस से भी यही बात कही गई:

> “उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।” (प्रेरितों के काम 22:16)

पानी में कोई जादू नहीं है। जब कोई व्यक्ति परमेश्वर के वचन को मानता है, तब परमेश्वर उस लहू के कारण क्षमा करते हैं जो यीशु पहले ही बहा चुके हैं।

कर्म यह नहीं कह सकता, “पूरा हुआ।” यीशु ने यह कहा (यूहन्ना 19:30)।

आखिरी बात:

आपको अंदाज़ा नहीं लगाना पड़ेगा कि आपको क्षमा कैसे मिल सकती है। आपको यह डर नहीं रखना पड़ेगा कि एक भूला हुआ कर्तव्य बरसों की मेहनत पर पानी फेर देगा।

क्या आप चाहते हैं कि आपके पाप दूर हो जाएँ? क्या आप यीशु पर विश्वास करेंगे? क्या आप मन फिराएँगे और अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा (पानी में डुबकी) लेंगे?

तो फिर ऐसे व्यक्ति की तरह जिएँ जो धुल चुका है, न कि ऐसे व्यक्ति की तरह जो अब भी कर्ज़ चुकाने की कोशिश कर रहा है।

What is that way He has named? Jesus! On the first day the gospel was preached, the people asked what they must do. Peter told them:

> "Repent, and be baptized every one of you in the name of Jesus Christ for the forgiveness of sins." (Acts 2:38)

Paul was told the same thing:

> "Arise, and be baptized, and wash away your sins, calling on the name of the Lord." (Acts 22:16)

The water has no magic in it. God forgives because of the blood Jesus already shed, when a person obeys His word.

Karma cannot say, "It is finished." Jesus did (John 19:30).

Conclusion:

You do not have to guess how you can be forgiven. You do not have to fear that one forgotten duty will undo years of being good.

Do you want your sins removed? Will you believe in Jesus? Will you repent and be baptized for the remission of your sins?

Then live as a person who has been washed, not as a person who is still trying to pay.

यह पर्चा आपको देने वाले व्यक्ति को मुफ्त मिला था। यह आपके लिए भी मुफ्त है। इसके लिए कभी पैसे न दें।

इसे पढ़ें। अपनी बाइबल के साथ इसका अध्ययन करें। फिर इसे किसी और को दे दें।

और पढ़ने, अपनी भाषा में सुनने, या सवाल पूछने के लिए स्कैन करें:

हमें आपकी राय सुनना अच्छा लगेगा। कोड स्कैन करके हमें संदेश भेजें।

मसीह की कलीसियाओं की ओर से एक उपहार।

बिक्री के लिए नहीं।

This tract was given free to the person who handed it to you. It is free to you too. Never pay for it.

Read it. Study it with your Bible. Then pass it on to someone else.

Scan to read more, hear it in your language, or ask a question:

purposeandvision.org

We’d love to hear what you think. Scan the code to send us a note.

A gift from the churches of Christ.

Not for sale.